



भारत का राजपत्र The Gazette of India

11/7/86

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. ९९]

नई दिल्ली, शुक्रवार, मई २, १९८६/वैशाख १२, १९०८

No. 99]

NEW DELHI, FRIDAY, MAY 2, 1986/VAISAKHA 12, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय

(आर्थिक कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई, दिल्ली, २ मई, १९८६

सं. एक. ४(५) डब्ल्यू एण्ड एस ८६. —१०:०० प्रतिशत ऋण, १९९१, १०.५० प्रतिशत ऋण, १९९६ और ११.५० प्रतिशत ऋण, २००६ के लिए १२०० करोड़ रुपये की कुल राशि के वास्ते १२ मई १९८६ को बैंकिंग समय का समाप्ति तक अभिदान तदर्थों में अथवा भारत सरकार के ४ $\frac{1}{2}$ प्रतिशत ऋण, १९८६ या ६.०० प्रतिशत ऋण, १९८६ की प्रतिभूतियों के रूप में स्वीकार किये जायेंगे। परक्राम्य लिखित अधिनियम, १८८१ के अधिन किर्सी राज्य सरकार द्वारा १२ मई, १९८६ को छुट्टी घोषित किए जाने पर अगले कार्य दिन बैंकिंग समय की समाप्ति तक संबंधित आदाता कार्यालयों में अभिदान स्वीकार किये जायेंगे। सरकार को १२०० करोड़ रुपये से अधिक प्राप्त १० प्रतिशत तक या यथासंभव उसके निकट के अभिदानों को रख लेने का अधिकार है।

२. यदि उपर्युक्त ऋणों की कुल अभिदान राशि १३२० करोड़ रुपये से अधिक हो तो आभिदाताओं को ऋणों के संबंध में आनुपातिक आधार पर आंशिक आबंटन किया जायेगा। यदि आंशिक आबंटन किया जाता है तो आंशिक आबंटन के बाद यथाशीघ्र अधिक अभिदान की राशि लौटा दी जायेगी। इस प्रकार लौटायी गयी राशि पर कोई व्याज मंदा नहीं किया जायेगा।

3. रु० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 12 मई 1991 को सममूल्य पर प्रतिदेय 10.00 प्रतिशत ऋण, 1991

- (i) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 12 मई 1991 को सममूल्य पर वापस अदा किया जायेगा।
- (ii) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु० 1000.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु० 1000.00 होगा।
- (iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 12 मई 1986 से वार्षिक 10.00 प्रतिशत होगी। प्रत्येक छमाही में 12 नवंबर और 12 मई को ब्याज अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नौचे दिये हुए अनुच्छेद 9 और 10 के उपबन्धों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा। ब्याज की शुद्ध राशि निःशुल्क 5 पैसे में पूर्णांकित करने के बाद अदा की जायेगी।

4. रु० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 12 मई 1996 को सममूल्य पर प्रतिदेय 10.50 प्रतिशत ऋण, 1996

- (i) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 12 मई 1996 को सममूल्य पर वापस अदा किया जायेगा।
- (ii) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु० 1000.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु० 1000.00 होगा।
- (iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 12 मई 1986 से वार्षिक 10.50 प्रतिशत होगी। प्रत्येक छमाही में 12 नवंबर और 12 मई को ब्याज अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नौचे दिये हुए अनुच्छेद 9 और 10 के उपबन्धों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा। ब्याज की शुद्ध राशि निःशुल्क 5 पैसे में पूर्णांकित करने के बाद अदा की जायेगी।

5. रु० 100.00 प्रतिशत की दर पर जारी किया जाने वाला और 12 मई 2006 को सममूल्य पर प्रतिदेय 11.50 प्रतिशत ऋण, 2006

- (i) वापसी अदायगी की तारीख—ऋण 12 मई 2006 को सममूल्य पर वापस अदा किया जायेगा।
- (ii) निर्गम मूल्य—प्रत्येक रु० 1000.00 (सांकेतिक) का निर्गम मूल्य रु० 1000.00 होगा।
- (iii) ब्याज—इस ऋण की ब्याज दर 12 मई 1986 से वार्षिक 11.50 प्रतिशत होगी। प्रत्येक छमाही में 12 नवंबर और 12 मई को ब्याज अदा किया जायेगा। इस प्रकार अदा किये गये ब्याज पर नौचे दिये हुए अनुच्छेद 9 और 10 के उपबन्धों के अधीन आयकर अधिनियम, 1961 के अन्तर्गत कर लगेगा। ब्याज की शुद्ध राशि निःशुल्क 5 पैसे में पूर्णांकित करने के बाद अदा की जायेगी।

परिवर्तन की शर्तें

6. $4\frac{1}{2}$ प्रतिशत, ऋण, 1986 और 6.00 प्रतिशत ऋण, 1986 की प्रतिभूतियां सममूल्य पर नये ऋणों में परिवर्तन के लिये स्वीकार की जायेंगी। परिवर्तन के लिये प्रस्तुत की जाने वाली उपर्युक्त प्रतिभूतियों पर 7 मई 1986 और 11 मई 1986 सहित उस तारीख तक, वार्षिक क्रमशः $4\frac{1}{2}$ प्रतिशत और 6.00 प्रतिशत की दर पर ब्याज अदा किया जायेगा। इसके अलावा नये प्रतिभूतियां जारी करते समय $4\frac{1}{2}$ प्रतिशत ऋण, 1986 के संदर्भ में चार (4) दिनों (अर्थात् 8 मई से 11 मई 1986) के लिये आवेदित नये ऋण की ब्याज दर अर्थात् यथास्थिति वार्षिक 10.00 प्रतिशत, 10.50 प्रतिशत या 11.50 प्रतिशत के अनुसार पूर्वानुमानित ब्याज अदा किया जायेगा।

पूरक व्यवस्थाएं

7. आवेदन-पत्र निम्नलिखित कार्यालयों में स्वीकार किये जायेंगे—

- (क) अहमदाबाद, बंगलूर, भुवनेश्वर, बंबई (फोर्ट और भायखला), कलकत्ता, गौहाटी, हैदराबाद, जयपुर, वानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यालय; और
- (ख) उपर्युक्त (क) में दिये गये स्थानों को छोड़कर भारत में सभी (जिला मुख्यालय में भारतीय स्टेट बैंक की शाखाएं)।

8. ब्याज अदा करने का स्थान—इन ऋणों पर भारतीय रिजर्व बैंक के अहमदाबाद, बंगलूर भूवनेश्वर, बंबई, कलकत्ता, गोहाटी, हैदराबाद, जयपुर, कानपुर, मद्रास, नागपुर, नयी दिल्ली, पटना और त्रिवेन्द्रम में स्थित लोक ऋण कार्यालयों तथा भारत में जम्मू और कश्मीर तथा सिक्किम राज्यों को छोड़कर आयतन किसी राजकोष या उप राजकोष में ब्याज अदा किया जायेगा।

9. ब्याज अदा करते समय (वार्षिक वित्त अधिनियमों द्वारा निर्धारित दरों पर) काटे गये कर की वापसी अदायगी उन ऋण-धारकों को प्राप्त होगी जिन पर कर लागू नहीं है या जिन पर ऐसी दरों पर कर लागू होता है जो काटे गये कर के दर से कम हों।

जिस धारक पर कर लागू नहीं है या निर्धारित दर से कम दर पर कर लागू है वह जिले के आयकर अधिकारी को आवेदन कर उनसे एक ऐसा प्रमाणपत्र प्राप्त कर सकता है जिसमें यह प्राधिकृत किया या हो कि कर की कटौती किये बिना या धारक पर लागू होने वाली न्यूनतम दर पर कर की कटौती कर के उसे ब्याज अदा किया जाये।

भारत का निवासी ऐसा व्यक्ति जिसकी कुल आय छूट की सीमा से अधिक नहीं है, ब्याज अदा करने के लिये जिम्मेदार व्यक्ति को निर्धारित फार्म में दो प्रतियों में घोषणा-पत्र भेजने पर कर की कटौती किये बिना ब्याज की राशि प्राप्त कर सकता है।

10. अब जारी किये जाने वाले ऋणों पर ब्याज और इसके पहले की अन्य सरकारी प्रतिभूतियों पर मिलने वाली ब्याज तथा अन्य अनुमोदित निवेशों से मिलने वाली आय को वार्षिक 7,000 रुपये की सीमा तक और आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 80D के अन्य उपबन्धों के अधीन आयकर से छूट प्राप्त होगी।

11. अब जारी किये जाने वाले ऋणों में किये जाने वाले निवेशों के मूल्य और इसके पहले सरकारी प्रतिभूतियों में किये गये अन्य निवेशों और संपत्ति कर अधिनियम की धारा 5 में निर्दिष्ट अन्य निवेशों के मूल्य की भी अधिनियम में निर्दिष्ट सीमा तक संपत्ति कर से छूट प्राप्त होगी।

12. प्रतिभूतियां निम्नलिखित के रूप में जारी की जायेंगे—

(i) स्टॉक प्रमाणपत्र, या (ii) वचनपत्र।

यदि आवेदक इन में से किसी का उल्लेख न करें तो स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में प्रतिभूतियां जारी की जायेंगी।

13. ऋणों के लिये आवेदनपत्र—ऋणों के लिये आवेदन पत्र रु० 1000 या उसके गुणों के लिये होने चाहिये।

14. आवेदनपत्र इसके साथ संलग्न फार्म में या किसी ऐसे दूसरे फार्म में होने चाहिये जिसमें अपेक्षित प्रतिभूतियों की राशि और विवरण, आवेदक का पूरा नाम और पता तथा उस कार्यालय का स्पष्ट उल्लेख हो जहाँ आवेदक ब्याज को अदायगी की अपेक्षा करता है।

15. आवेदनपत्रों के साथ आवश्यक राशि नकदी या चेक या परिवर्तन के लिये प्रस्तुत की जाने वाली $4\frac{1}{2}$ प्रतिशत ऋण, 1986 या 6.00 प्रतिशत ऋण, 1986 की प्रतिभूतियों के रूप में प्रेषित की जानी चाहिये। भारतीय रिजर्व बैंक या भारतीय स्टेट बैंक के कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने वाले चेक संबंधित बैंक के नाम आहरित किये जाने चाहिये।

परिवर्तन के लिये प्रस्तुत की जाने वाली प्रतिभूतियां धारक द्वारा सरकार को निम्न प्रकार अंतरित की जायें—

(i) यदि स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में हों तो प्रमाणपत्र के पोंछे अंतरण विलेख के फार्म पर किसी साक्षी के समक्ष हस्ताक्षर करके,

(ii) यदि वचनपत्रों के रूप में हों तो उन्हें निम्नप्रकार से पृष्ठांकित किया जाये :

“भारत के राष्ट्रपति को अदा करें”

16. स्वीकृत बैंकों को उनके द्वारा अपने ग्राहकों की ओर से ऋण आवेदन पत्रों पर किये गये आबंटनों पर तथा दलालों को उनके द्वारा प्रस्तुत और उनकी मुहरयुक्त ऋण आवेदनपत्रों पर किये गये आबंटनों पर प्रति रु० 100.00 (ताकैतिक) 6 पैसे

की दर पर दलाली अदा की जायेगी। बैंक-जाणित्य और सहकारी बैंक—उनके अपने अभिधानों के लिए दलाली की अदायगी के पात्र नहीं होंगे।

दलाली की अदायगी के लिए भ्रूण जारी किये जाने की तारीख से छः महीने के भीतर संबंधित कार्यालयों में दावा पेश किया जाना चाहिए।

राष्ट्रपति के आदेश से,
के. एस्. शम्शरी, संयुक्त सचिव

आवेदन-पत्र का फार्म

म/हम*

(पूरा/पूरे नाम)

इसके साथ रु० _____ (रुपये) के लिये नकदीमै/रु* _____ (रुपये) के सांकेतिक चेक मूल्य की 4* प्रतिशत भ्रूण, 1986*/6.00 प्रतिशत भ्रूण, 1986* की प्रतिभूतियां प्रस्तुत करता हूं/करते हैं और यह अनुरोध करता हूं/करते हैं कि मुझे/हमें* नीचे उल्लिखित मूल्यवर्ग/मूल्यवर्गों के वचनपत्र/पत्रों* के रूप में रु० _____ के

स्टाक प्रमाण-पत्र

सांकेतिक मूल्य की 10.00 प्रतिशत भ्रूण, 1991*/10.50 प्रतिशत भ्रूण, 1996*/11.50 प्रतिशत भ्रूण, 2006* की प्रतिभूतियां जारी की जायें :—

प्रति वचनपत्र रु० _____ का (के) _____ वचनपत्र

प्रति वचनपत्र रु० _____ का (के) _____ वचनपत्र

प्रति वचनपत्र रु० _____ का (के) _____ वचनपत्र

2. मैं/हम* चाहता हूं/चाहते हैं* कि उनका व्याज _____ में अदा किया जाए।

विशेष टिप्पणी :—इस खाने में आवेदक कुछ न लिखें।

प्रविष्टियां आवासा कार्यालय द्वारा की जाएंगी।

	आस्थाक्षर	दिनांक
आवेदन पत्र सं. _____		
"दलाली नहीं" मुहर _____		
नकदी प्राप्त होने की तारीख _____		
बैंक दसूल होने की तारीख _____		
विशेष चालू खाते में जमा करने की तारीख _____		
जांच की गयी _____		
नकदी आवेदनपत्रों के रजिस्टर में दर्ज किया गया _____		
दलाली रजिस्टर में दर्ज किया गया _____		
मांग पत्र सं. _____		
प्रतिभूति सं. _____		
कार्ड सं. _____		
वाउचर पारित करने की तारीख _____		

हस्ताक्षर

पूरा (पूरे) नाम

पता _____

दिनांक : मई 1986

*जो आवश्यक न हो उसे काट दिया जाए।

वचनपत्र रु० 1,000, रु. 5,000, रु. 10,000 रु० 25,000 रु. 50,000 और रु. 1,00,000 के मूल्य वर्ग में जारी किये जायेंगे। जो मूल्य वर्ग अपेक्षित हो उसका यहां उल्लेख करें।

- टिप्पणियां (1) परिवर्तन के लिये प्रस्तुत प्रतिभूतियां यदि वचनपत्रों के रूप में हों तो उन्हें आवेदकों के हस्ताक्षरों सहित इन शब्दों के साथ पृष्ठांकित किया जाये—“भारत के राष्ट्रपति को भ्रष्टा करे” और यदि वे स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में हों तो उनके पीछे दिये गये अंतरण विलेख पर आवेदक किसी साक्षी के समक्ष हस्ताक्षर करे/करें।
- (2) प्रत्येक ऋण, अभिदान के प्रत्येक प्रकार और अपेक्षित नये ऋण के प्रत्येक प्रकार की प्रतिभूति (स्टॉक प्रमाणपत्र या वचनपत्र) के लिये अलग-अलग आवेदन किया जाये।
- (3) यदि आवेदक का हस्ताक्षर अंगूठे के निशान के रूप में हो तो दो व्यक्ति उसके साक्षी हों। साक्षियों के हस्ताक्षरों के नीचे उनके पूरे नाम, व्यवसाय और पते दिये जायें।
- (4) यदि आवेदन किसी पंजीकृत निकाय के नाम से किया जाये तो निवेश आवेदनपत्र के साथ निम्नलिखित दस्तावेज, यदि वे लोक ऋण कार्यालय में पहले ही पंजीकृत न किये गये हों तो संलग्न किये जायें:—
- (1) निगमन/पंजीकरण का मूल प्रमाणपत्र या कार्यालय के मुद्रांक के अधीन जारी करने वाले प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित उसकी सत्य प्रतिलिपि।
 - (2) कंपनी/निकाय के ज्ञापन पत्र और अंतर्निष्ठ या नियमों और विनियमों/उप-नियमों की प्रमाणित प्रतिलिपियां।
 - (3) कंपनी/निकाय की ओर से सरकारी प्रतिभूतियों का लेनदेन करने के लिये प्राधिकृत व्यक्ति(यों) के पक्ष में किये गये संकल्प की प्रमाणित प्रतिलिपि, उसके/उनके विधिवत् सत्यापित नमूना हस्ताक्षर/हस्ताक्षरों के साथ।
- (5) जो आवेदक स्टॉक प्रमाणपत्रों के रूप में प्रतिभूतियां प्राप्त करना चाहते हैं उन्हें छाहरी ब्याज के प्रेषण के लिये प्रादेश फार्म (लोक ऋण कार्यालय में उपलब्ध) भी भरना चाहिये।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd May, 1986

No. F. 4(5) W&M/86.—Subscriptions for the issues of 10.00 per cent Loan, 1991 10.50 per cent loan, 1996 and 11.50 per cent. Loan, 2006 for an aggregate amount of Rs. 1200 crores will be received in the form of cash or of securities of Government of India 4-1/2 per cent, Loan, 1986 or 6.00 per cent, Loan, 1986 on the 12th May 1986 up to the close of Banking hours. In the event of 12th May 1986 being declared a holiday by any State Government under the Negotiable Instruments Act, 1881, the subscriptions will be received at the concerned receiving offices in that State upto the close of Banking hours on the next working day. Government reserve the right to retain subscriptions received upto 10 per cent. or as near thereto as possible in excess of the sum of Rs. 1200 crores.

2. If the total subscriptions to the aforesaid loans exceed the sum of Rs. 1320 crores, partial allotment will be made to the subscribers in cash on a proportionate basis. If partial allotment is made, the excess subscriptions will be refunded as soon as possible after partial allotment. No interest will be paid on the amount so refunded.

3. 10.00 per cent Loan, 1991 issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 12th May 1991.

- (i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 12th May 1991.
- (ii) Issue price.—The issue price will be Rs. 1000.00 for every Rs. 1000.00 (Nominal).

(iii) Interest.—The Loan will bear interest at the exceed the sum of Rs. 1320 crores, partial allotment May 1986. Interest will be paid half-yearly on the 12th November and 12th May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 9 and 10 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

4. 10.50 per cent. Loan, 1996 issued at Rs. 100.00 per cent, and redeemable at par on the 12th May 1996.

(i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 12th May 1996.

(ii) Issue Price.—The issue price will be Rs. 1000.00 for every Rs. 1000.00 (Nominal).

(iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 10.50 per cent, per annum from 12th May 1986. Interest will be paid half-yearly on the 12th November and 12th May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 9 and 10 below be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

5. 11.50 per cent. Loan, 2006 issued at Rs. 100.00 per cent. and redeemable at par on the 12th May 2006.

(i) Date of Repayment.—The Loan will be repaid at par on the 12th May 2006.

(ii) Issue Price.—The Issue price will be Rs. 1000.00 for every Rs. 1000.00 (Nominal).

- (iii) Interest.—The Loan will bear interest at the rate of 11.50 per cent. per annum from 12th May 1986. Interest will be paid half-yearly on the 12th November and 12th May. The interest paid will, subject to the provisions of paragraphs 9 and 10 below, be liable to tax under the Income-tax Act, 1961. The net amount of interest will be paid after rounding off to the nearest 5 paise.

CONVERSION TERMS

6. The securities of 4-1/2 per cent. Loan, 1986, and 6.00 per cent. Loan, 1986 will be accepted for conversion into the new loans at par. Interest on the securities of aforesaid loans tendered for conversion will be paid at the rate of 4-1/2 per cent, and 6.00 per cent, per annum upto and inclusive of 7th May 1986 and 11th May 1986 respectively. In addition, anticipatory interest will be paid according to the rate of interest of the new loan applied for i.e. 10.00 per cent or 10.50 per cent or 11.50 per cent per annum, as the case may be, for four (4) days in respect of 4-1/2 per cent. Loan, 1986 (i.e. from 8th May to 11th May 1986) at the time of issue of new securities.

SUPPLEMENTARY PROVISIONS

7. Applications will be received at—

- (a) Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay (Port and Byculla), Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum; and
- (b) Branches of the State Bank of India at all the DISTRICT HEADQUARTERS in India except at (a) above.

8. Place of Payment of Interest.—Interest on the Loans will be paid at the public Debt Offices of the Reserve Bank of India at Ahmedabad, Bangalore, Bhubaneswar, Bombay, Calcutta, Gauhati, Hyderabad, Jaipur, Kanpur, Madras, Nagpur, New Delhi, Patna and Trivandrum and at any Treasury or Sub-Treasury elsewhere in India except the States of Jammu and Kashmir and Sikkim.

9. Refunds of tax deducted at the time of payment of interest (at the rates prescribed by the Annual Finance Acts) will be obtainable by holders of the Loan who are not liable to tax or who are liable to tax at rates lower than the rate at which tax was deducted.

A holder who is not liable to tax or who is liable to tax at a rate lower than the prescribed rate, can obtain, on application, a certificate from the Income-tax Officer of the district, authorising payment of interest to him without deduction of tax or with deduction of tax at such lower rate as may be applicable to the holder.

And individual resident in India whose total income does not exceed the exemption limit can obtain, on furnishing a declaration in the prescribed form in

duplicate to the person responsible for paying the interest, the amount of interest without deduction of tax.

10. Interest on the Loans now issued together with interest on other previous Government Securities and income from other approved Investments will be exempt from Income tax subject to a limit of Rs. 7,000 per annum and subject to the other provisions of Section 80L of the Income-tax Act, 1961.

11. The value of investments in the Loans now issued together with the value of other previous investments in Government securities and the other investments specified in Section 5 of the Wealth-tax Act will also be exempt from the Wealth-tax upto the limit specified in the Act.

12. The securities will be issued in the form of—

- (i) Stock Certificates; or (ii) Promissory Notes.

If no preference is stated by the applicants, the securities will be issued in the form of Stock Certificates.

13. Applications for the Loans.—Applications for the Loans must be for Rs. 1000 or a Multiple of that sum.

14. Applications may be in the form attached hereto or in any other form which states clearly the amount and description of the securities required, the full name and address of the applicant and the office at which he desires the interest to be paid.

15. Applications should be accompanied by the necessary payment in the form of cash or cheque or securities of the 4-1/2 per cent. Loan, 1986 or 6.00 per cent. Loan, 1986 which are being offered for conversion. Cheques tendered at the office of the Reserve Bank of India or the State Bank of India should be drawn in favour of the bank concerned.

The securities tendered for conversion must be transferred by the holder to the Government—

- (i) in the case of Stock Certificates, by signing the form of transfer deed on the reverse of the certificate before a witness.
- (ii) in the case of Promissory Notes, by endorsing them in the manner indicated below:—
'Pay to the President of India'.

16. Brokerage will be paid at the rate of 6 paise per Rs. 100.00 (Nominal) to recognised banks on allotments in respect of applications for the loans tendered by them on behalf of their clients and brokers on allotments made in respect of applications for the loans tendered by them and bearing their stamp. Banks—Commercial and Co-operative banks—will not be eligible for payment of brokerage in respect of their own subscriptions.

The claim for payment of brokerage should be preferred at the concerned office within six months from the date of floatation of the loans.

By order of the President,
K. S. SASTRY, Jt. Secy.

FORM OF APPLICATION

I/We*
[Full Name(s) in Block Letters]

..... herewith

*Cash

tender Rs. (Rupees.....)/

Cheque for

*Securities of 4½ per cent. Loan, 1986/*6.00 per cent Loan, 1986 of the nominal value of Rs.
(Rupees.....) and request that securities of 10.00 per
cent. Loan, 1991*/10.50 per cent. Loan, 1996*/11.50 per cent. Loan, 2006* of the nominal value of Rs.
(Rupees.....) may be issued to me/us* in the form of

*Promissory Note(s) in the denomination(s) stated below :—

Stock Certificate.

..... Promissory Note(s) + of Rs.....each.

..... Promissory Note(s) + of Rs.....each

..... Promissory Note(s) + of Rs.....each

2. I/We* desire that interest be paid at

N.B.—The applicant should not write anything in this cage.
The entries will be filled in by the Receiving Office.

	Initials	Date
Application No.
N.B. Stamp
Cash
Received on
Cheque Realised on.....
Credited to Special Current
Account on
Examined
Cash Applications
Register Posted
Brokerage Register Posted
Indent No.
Scrip No.
Card No.
Voucher passed on

Signature(s)

Name(s) in full
(Block Letters)

Address

Dated the..... of
May 1986.

*Delete what is not required.

*Promissory Notes will be issued in denomination of Rs.1,000, Rs. 5,000, Rs.10,000, Rs. 25,000, Rs. 50,000 and Rs.1,00,000. State here the particular denomination(s) required.

- Notes:— (1) Securities tendered for conversion should be endorsed with the words 'Pay to the President of India' over the signature of the applicant/s, if they are in the form of Promissory Notes and the transfer deed on the reverse should be signed by him/them before a witness, if they are in the form of Stock Certificates.
- (2) Separate applications should be made for each Loan, each form of subscription and each form of scrip (stock Certificate or Promissory Note) of the New Loan required.
- (3) If the applicant's signature is by thumb mark, it should be witnessed by two persons. The full names, occupations and addresses of the witnesses should be appended to their signatures.
- (4) If the application is made in the name of the registered body, the undernoted document, if not already registered at the Public Debt Office, should be enclosed with the investment application :
- (i) Certificate of Incorporation/Registration in original or a copy thereof certified as true by the issuing authority under his office seal.
 - (ii) Certified copies of Memorandum and Articles of Association or the Rules and Regulations/By-laws of the company/body.
 - (iii) Certified copy of resolution in favour of the person/s authorised to deal in Government Securities on behalf of the company/body together with his/their duly attested specimen signature(s).
- (5) Applicants desiring the issue of scrips in the form of Stock Certificates should also complete a Mandate Form (obtainable from Public Debt Office) for remittance of half-yearly interest to them.